



न्यायालय माननीय सभास्व पण्डित, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

। २०१० ई ३४५३ । १०

प्रकरण क्रमांक

१- बंगीलाल | पुत्रगण कन्हैयालाल पहाजन

२- राजमल

निवासी गण संजय कालीनी, शामगढ़, तेहसील-शामगढ़,
जिला पन्दसाई-मध्यप्रदेश ।

-----अपीलान्ट्स

बिरुद्ध

शिक्षारायण पुत्र मोहनलाल पृथ वारिसान-

१- शकुन्तला वैवा शिक्षारायण निवासिनी
शामगढ़ जिला पन्दसाई-मध्यप्रदेश

२- श्रीमती कमला पत्नी मोहनलाल जी उदिया,
निवासिनी- लहड़ावदा रोड, गरोठ तेहसील-
गरोठ, जिला पन्दसाई-मध्यप्रदेश ।

३- श्रीमती लक्ष्मण पत्नी बंगीलाल सेठिया,
निवासिनी ३१, अरिहन्त कालीनी, जावरा,
जिला रतलाम-पूर्ण० ।

४- श्रीमती सुशीला पत्नी रामेश्वर प्रसाद जी
गुप्ता, निवासिनी साकन जिला नीमच-गढ़पूर्ण० ।

५- श्रीमती मनोरंगा पत्नी विजय कुमार राजी-
पौरवाल निवासिनी ७१७, छारिकापुरी,
साठफिरा रोड, इंदौर-पूर्ण० ।

६- कृष्ण गोपाल मुजाबदिया पुत्र शिवारा
(कम्पी सेक्टरी) ४१०, आशिवाद बपाट
३७, कैलाश पार्क कालीनी, इंदौर-मध्य-

७- कांबु कुमार। पुत्रगण लक्ष्मीनारायण

८- कृष्णकुमार ।

23/3/10

23/3/10

23/3/10

8 344-II/10

ବିଜେ ମେହି

୧୩.୨.୧୬

— କାବ୍ୟ ରଚନା କରି ଶୁଣୁ
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା | ଅନ୍ତର
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା | ଅନ୍ତର

[କୃ. ପ. ୩]

(୩) ମେହି

द्वारा पक्ष कारों के अवधि कुछ
उचित नामों के लिए उत्तर की
जाए। और उनके द्वारा सिद्धि
की जाए गई कि उचित नामों के
साथ-में उत्तर की समान
की जाएगी। इस पक्ष
जारी के सिद्धि उपर्युक्त उनके
द्वारा उत्तर उचित नामों की
जारी उत्तर के जारी है।
यह उत्तर इसी रूप में समान
की जाए गई। इसी उत्तर
में आठवें शब्द का उत्तर
जारी करने वाले के नाम
की जारी गई। उक्त नामों
में से एक है।